I. उपसर्ग

उपसर्ग–वे शब्दांश जो किसी शब्द से पूर्व लगकर उस शब्द का अर्थ बदल दें या उसमें नई विशेषता उत्पन्न कर दें, वे उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे–

उपसर्ग		मूल शब्द		नवीन शब्द
सु	+	पुत्र	=	सुपुत्र
अ	+	भाव	=	अभाव
प्रति	+	कूल	=	प्रतिकूल
अधि	+	गम	=	अधिगम

उपसर्ग		मूल शब्द		नवीन शब्द
प्र	+	चार	=	प्रचार
वि	+	हार	=	विहार
अनु	+	राग	=	अनुराग
स्व	+	देश	=	स्वदेश

हिंदी भाषा में **तीन तरह** के उपसर्ग प्रचलित हैं–

(*i*) संस्कृत के उपसर्ग; जैसे–अ, अप, कु, सु आदि।

(*ii*) हिंदी के उपसर्ग; जैसे–अन, भर, स आदि।

(*iii*) उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग; जैसे–बद, बे, कम आदि।

Scanned with CamScanner

1. संस्कृत के उपसर्ग

उपसर्ग		उदाहरण
अति	–	अत्यंत, अतिरिक्त, अत्यधिक।
अधि	–	अधिकार, अधिगम, अधिपति, अध्यक्षा।
अनु	–	अनुराग, अनुशासन, अनुभव, अनुकरण, अनुसार।
अप	–	अपयश, अपशब्द, अपमान।
अभि	–	अभिनय, अभिज्ञान, अभिमान।
अव	–	अवसर, अवकाश, अवनति।
आ	–	आजीवन, आगमन, आमरण।
उत्	–	उत्थान, उन्नति, उच्चारण।
उप	–	उपवन, उपस्थित, उपदेश।
दुस्/दुर्	–	दुस्साहस, दुष्कर, दुस्साध्य, दुर्भाग्य, दुर्बल, दुष्कर्म।
निस्/निर्	–	निष्काम, निस्तेज, निर्जन, निर्दोष, निर्मल।
नि	–	निवास, निषेध, नियम, निवारण।
परा	–	पराजय, पराक्रम, पराधीन।
परि	–	परिणाम, परिवर्तन, परिचालक।
प्र	–	प्रयत्न, प्रबल, प्रहार।

उपसर्ग		उदाहरण
प्रति	–	प्रतिकूल, प्रतिध्वनि, प्रत्यक्ष, प्रतिदिन।
वि	–	वियोग, विनाश, विदेश।
सम् (सं)	–	सम्मान, संशोधन, संयोग, संशय।
अ	–	अज्ञान, अभाव, अधर्म।
कु	–	कुकर्म, कुपुत्र, कुपात्र।
सु	–	सुपुत्र, सुपात्र, सुकर्म।
सत्	–	सत्पुरुष, सत्कर्म, सदाचार।
पुनर्/पुनः	–	पुनर्जन्म, पुनरुत्थान, पुनर्निर्माण।
अधः	–	अधोपतन, अधोगति, अधोमुखी।
अंतर्/अंतः	–	अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्देशीय, अंतर्जातीय।
बहिस्/बहिर्	–	बहिर्मुखी, बहिष्कार, बहिर्गमन।
स्व	–	स्वचालित, स्वदेश, स्वराज्य।
स्वयं	–	स्वयंसेवक, स्वयंवर, स्वयंचलित।
पुरा	–	पुरातत्व, पुरातन, पुरावृत्त।
चिर	–	चिरजीवी, चिरकाल।
सह	–	सहपाठी, सहकारी।
सम	–	समकोण, समकालीन, समकालिक।

2. हिंदी के उपसर्ग

अन	–	अनपढ़, अनजान, अनहोनी।
पर	–	परदादा, परपोता, परनाना।
अध	–	अधजला, अधपका, अधमरा।
बिन	–	बिनब्याही, बिनजाने, बिनखाए।
भर	–	भरपूर, भरमार, भरसक।

Scanned with CamScanner

3. उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग

प्रत्यय		उदाहरण
बा	–	बाकायदा, बाअदब, बावजूद।
बद	–	बदमाश, बदनाम, बदतमीज।
गैर	–	गैरहाजिर, गैरकानूनी, गैरसरकारी।
ला	–	लाइलाज, लाजवाब, लापरवाह।
हम	–	हमराज, हमउम्र, हमदर्द।
हर	–	हरवक्त, हरहाल, हरदिल।
कम	–	कमउम्र, कमज़ोर, कमअक्ल।

पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त उपसर्ग युक्त शब्दों के उदाहरण–

शब्द		उपसर्ग	+	मूल शब्द
संस्कृति	–	सम्	+	कृति
दुर्भाग्य	–	दुर्	+	भाग्य
परलोक	–	पर	+	लोक
प्रतिकूल	–	प्रति	+	कूल
संसर्ग	–	सम्	+	सर्ग
विज्ञापित	–	वि	+	ज्ञापित
उपमान	–	उप	+	मान
दुर्लभ	–	दुर्	+	लाभ
निर्द्वंद्व	–	निर्	+	द्वंद्व
प्रवास	–	प्र	+	वास
अभिजात	–	अभि	+	जात
संचालन	–	सम्	+	चालन
सुपुत्र	–	सु	+	पुत्र
अव्यवस्थित	–	अ	+	व्यवस्थित
अनुकूल	–	अनु	+	कूल
प्रगति	–	प्र	+	गति
आरोहण	–	आ	+	रोहण
सुरक्षित	–	सु	+	रक्षित
प्रत्येक	–	प्रति	+	एक
अतिथि	–	अ	+	तिथि
उपकरण	–	उप	+	करण
विज्ञान	–	वि	+	ज्ञान
आग्रह	–	आ	+	ग्रह
सशक्त	–	स	+	शक्त
अभाव	–	अ	+	भाव

शब्द		उपसर्ग	+	मूल शब्द
निर्मूल	–	निर्	+	मूल
लाइलाज	–	ला	+	इलाज
बिलावजह	–	बिला	+	वजह
अत्यंत	–	अति	+	अंत
बदनाम	–	बद	+	नाम
नालायक	–	ना	+	लायक
खुशदिल	–	खुश	+	दिल
हरदम	–	हर	+	दम
गैरजिम्मेदार	–	गैर	+	ज़िम्मेदार
अनार्य	–	अन	+	आर्य
निडर	–	नि	+	डर
विक्रय	–	वि	+	क्रय
अनुपस्थित	–	अन	+	उपस्थित
अधिनायक	–	अधि	+	नायक
स्वागत	–	सु	+	आगत
अनाकर्षण	–	अन	+	आकर्षण
कुमार्ग	–	कु	+	मार्ग
परलोक	–	पर	+	लोक
प्रकृति	–	प्र	+	कृति
प्रभाव	–	प्र	+	भाव
संभव	–	सम्	+	भव
समतल	–	सम	+	तल
अक्षर	–	अ	+	क्षर
प्रसंग	–	प्र	+	संग
सपूत	–	स	+	पूत

Scanned with CamScanner